Bk – यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की यीशु के बारे में गवाही |
1

– Save This Page as a PDF–

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की यीशु के बारे में गवाही



कई विश्वासी यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को एक छायादार
व्यक्ति के रूप में देखते हैं। निश्चय ही उसने लोगों को बपतिस्मा दिया। कुछ लोग जानते हैं कि वह रेगिस्तान में रहता था और टिड्डियाँ और शहद खाता था। जो लोग शास्त्रों का अध्ययन करते हैं वे यह भी जान सकते हैं कि वह मसीहा का अग्रदूत था। इसके बारे में बस इतना ही। फिर भी, यीशु ने उसके बारे में कहा: हाँ! मैं तुम से कहता हूं, कि जो स्त्रियों से उत्पन्न हुए हैं, उन में से कोई यूहन्ना विसर्जन करने वाले से बड़ा नहीं हुआ (मत्तीयाहू ११:११)!

तालीम प्राप्त हुए चिकित्सक, डॉक्टर ल्यूक से, हम सीखते हैं कि जॉन एक वृद्ध पुजारी, जकर्याह और उसकी बांझ पत्नी, एलिजाबेथ के लिए एकमात्र बच्चा पैदा हुआ था (देखे Ao – योहोना बप्तिस्मा देनेवाला का जन्म)। उनके जन्म ने न केवल उनके आश्चर्यजनक जन्म के कारण, बल्कि उनके जीने के तरीके के कारण भी, यहूदिया के पहाड़ी देश में सभी के लिए काफी हलचल पैदा कर दी थी। जन्म से एक नाज़ीर, उसने अपने बाल नहीं कटवाए, किसी मृत वस्तु को नहीं छुआ, न ही दाखलता में से कुछ खाया – न दाखमधु, न अंगूर और न ही किशमिश (गिनती ६:२-६)। परमेश्वर ने उसे उसके जन्म से पहले ही, मसीहा का अग्रदूत बनने के लिए चुन लिया था (देखें Ak – यूहन्ना बप्तिस्मा देनेवाला का जन्म का भविष्यवाणी)।

जब यूहन्ना इस्राएल राष्ट्र का सामना करने और उसके पाप का दोषी ठहराने के लिए

Bk – यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की यीशु के बारे में गवाही |
2

जंगल से बाहर आया, तो उसने यरूशलेम के धार्मिक अभिजात वर्ग से बहुत भिन्न रूप से देखा और कार्य किया जिसे लोग सुनने के अभ्यस्त थे। यूहन्ना ऊंट के रोम का वस्त्र पहिने था, और कमर में चमड़े का पटुका बान्धे रहता था, और टिड्डियां और वन मधु खाया करता था (मरकुस १:६)। जबकि सदूकियों, फरीसियों, मुख्य याजकों, टोरा-शिक्षकों और हेरोदियों ने खुद को बेहतरीन कपड़े पहनाए और खुद को मांस और शराब के लिए इलाज किया, योचनन परमेश्वर के लिए अलग जीवन से अलग हो गया और सूरज से चमड़े का बना हुआ था।

उसका संदेश उसके प्रकटन के समान ही बुनियादी था: मन फिराओ, क्योंकि परमेश्वर का राज्य निकट आ गया है (मत्ती 3:2)! सो जब फरीसी और सदूकी यरूशलेम से यह देखने के लिए आए कि वह और उसका आंदोलन क्या है – तो उसने उनसे स्पष्ट शब्दों में कहा: हे सांप के बच्चों! किसने तुम्हें आनेवाले प्रकोप से बचने की चेतावनी दी? मन फिराव के अनुसार फल उत्पन्न करो। और यह न सोचो कि तुम अपने आप से कह सकते हो, कि हमारा पिता इब्राहीम है। मैं तुम से कहता हूँ, कि परमेश्वर इन पत्थरों से इब्राहीम के लिये सन्तान उत्पन्न कर सकता है (मत्तीयाहू ३:७-९)।

वाह, क्या उन्होंने कभी उससे नफरत की थी! यदि वे लोगों की बढ़ती हुई भीड़ से घिरे न होते जो वास्तव में अपने पापों का पश्चाताप करते, तो वे उसे वहीं पर मार डालते। लेकिन जबकि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला उतना ही असाधारण था जितना कोई साधारण मनुष्य हो सकता है, फिर भी वह एक मनुष्य था। सिर्फ एक आदमी। इसलिए, यूहन्ना, उसके सुसमाचार का प्रेरित लेखक, उसका परिचय केवल परमेश्वर की ओर से भेजे गए एक मनुष्य के रूप में देता है जिसका नाम यूहन्ना था (यूहन्ना १:६)। अगली दो फाइलों में, हम देखेंगे कि इस साधारण आदमी को क्या खास बना दिया।